इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स का मासिक न्यूज़लेटर प्रति वर्ष 40/रुपये
(आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित संगठन)

आईआईबीएफ विज़न

व्यावसायिक उत्कृष्टता
के प्रति प्रतिबद्ध

खंड सं. : 9 अंक सं. :3 अक्तूबर,, 2016 पृष्ठों की सं 14

दर्शन (**विज़न**)**:** "बैंकिंग एवं वित्त के क्षेत्र में सक्षम व्यावसायिक विकसित और शिक्षित करना।

ध्येय (**मिशन**) **:** "प्राथमिक रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा, परामर्श / सलाह और निरंतर आधार वाले व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की प्रक्रिया के माध्यम से व्यावसायिक रूप से सुयोग्य और सक्षम बैंकरों एवं वित्तीय व्यावसायिकों का विकास करना।"

इस अंक में

मुख्य घटनाएं ----------2
बैंकिंग जगत की घटनाएं----------2
विनियामकों के कथन ---------- 4
अर्थव्यवस्था ----------5
नयी नियुक्तिया ---------- 6
उत्पाद एवं गठजोड ---------- 6
विदेशी मुद्रा ----------6
शब्दावली ---------- ---------- ------ 7
वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी ----------8
संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां ---------- 8
संस्थान समाचार ---------- 8
बाज़ार की खबरें ---------- 12

"इस प्रकाशन में समाविष्ट सूचना / समाचार की मदें सार्वजनिक उपयोग अथवा उपभोग हेतु विविध बाह्य स्रोतों / मीडिया में प्रकाशित हो चुकी / चुके हैं और अब वे केवल सदस्यों एवं अभिदाताओं के लिए प्रकाशित की / किए जा रही / रहे हैं। उक्त सूचना / समाचार की मदों में व्यक्त किए गए विचार अथवा वर्णित / उल्लिखित घटनाएं सम्बन्धित स्रोत द्वारा यथा अनुभूत हैं। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स समाचार मदों / घटनाओं अथवा जिस किसी भी प्रकार की सूचना की सच्चाई अथवा यथार्थता अथवा अन्यथा के लिए किसी प्रकार से न तो उत्तरदायी है, न ही कोई उत्तरदायित्व स्वीकार करता है।"

मुख्य घटनाएं

केन्द्र ने स्वर्ण बॉण्डों की पांचवीं श्रृंखला जारी की

सरकार ने सॉवरेन स्वर्ण बॉण्डों की पांचवीं श्रृंखला 23 सितम्बर, 2016 को जारी की। उक्त बॉण्ड बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया, अभिहित डाकघरों तथा मान्यता प्राप्त शेयर बाज़ारों [भारतीय राष्ट्रीय शेयर बाज़ार (National Stock Exchange of India) लिमिटेड और बंबई शेयर बाज़ार] के माध्यम से बेचे जाएंगे।

बैंकिंग जगत की घटनाएं

भारतीय रिज़र्व बैंक ने दबावग्रस्त आस्तियों की बिक्री के लिए बाज़ार व्यापक बनाए

अब से दबावग्रस्त आस्तियों के संभावित खरीदारों के लिए प्रतिभूतिकरण कम्पनियां / पुनर्निर्माण कम्पनियां (SCs/RCs) होना जरूरी नहीं होगा। भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को ये आस्तियां ऐसे / ऐसी अन्य बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों अथवा वित्तीय संस्थाओं को बेचने की अनुमति प्रदान कर दी है जिनके पास दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए आवश्यक पूंजी और विशेषज्ञता मौजूद हो। उसने बैंकों के निदेशक मंडलों (बोर्डों) को दबाव के निराकरण हेतु अधिक जवाबदेह भी बना दिया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के कथन : सभी के लिए मुफ्त साख रिपोर्ट

किसी व्यक्ति के वित्तीय मामलों में साख रिपोर्ट के महत्व को देखते हुए कोई व्यक्ति अनुरोध पर उक्त रिपोर्ट की एक प्रति पाने का हकदार है। अतएव, भारतीय रिज़र्व बैंक ने सभी ऋण आसूचना कम्पनियों (CICs) को यह निदेश दिया है कि किए गए अनुरोध के आधार पर और अनुरोधकर्ता के विहित अधिप्रमाणन के बाद ऋण आसूचना कम्पनी को ऐसे व्यक्तियों को जिनके ऋण इतिवृत्त ऋण आसूचना कम्पनी के पास उपलब्ध हों, एक कैलेंडर वर्ष में एक बार मुफ्त सम्यक साख रिपोर्ट

उपलब्ध करानी चाहिए। इस रिपोर्ट में ऋण आसूचना कम्पनी के पास उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार व्यक्ति के प्रति ऋणदात्री संस्था के ऋण एक्सपोजर की अद्यतन स्थिति दर्शायी जानी चाहिए।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों से आय घोषणा योजना के तहत कर बकाये को नकद स्वीकार करने के लिए कहा

आय घोषणा योजना (IDS), 2016 1 जून, 2016 से प्रभावी / लागू हो गई है। इस सम्बन्ध में भारतीय रिज़र्व बैंक ने यह निदेश दिया है कि बैंकों को ऐसे सभी घोषणाकर्ताओं से जो आईटीएनएस-286 चालनों के जरिये उपर्युक्त योजना के तहत जमाराशियों सहित काउंटरों पर नकद जमा करने के इच्छुक हों, रकम चाहे जितनी भी क्यों न हो, अनिवार्य रूप से नकद रकम ही स्वीकार करनी चाहिए। इस सम्बन्ध में बैंकों को ग्राहकों और अकस्मात ग्राहकों के मामले में अपने ग्राहक को जानिए वाली अपेक्षाओं का पालन करना चाहिए।

सरकार ने मौद्रिक नीति समिति अधिसूचित की

सरकार ने छ: सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। छ: सदस्यों में से तीन सदस्य भारतीय रिज़र्व बैंक से हैं और अन्य तीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। मौद्रिक नीति समिति को मुद्रास्फीति को निर्धारित लक्ष्य स्तर के भीतर रोक रखने हेतु बेंचमार्क नीतिगत दर (पुनर्खरीद दर) निर्धारित करने का महत् कार्य सौंपा गया है। मौद्रिक नीति समिति की बैठकें एक वर्ष में कम से कम चार बार आयोजित की जाएंगी और वह अपने निर्णयों को इसप्रकार की प्रत्येक बैठक के बाद प्रकाशित करेगी।

इरादतन चूककर्ताओं के चित्र प्रकाशित करने के सम्बन्ध में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देश

भारतीय रिज़र्व बैंक ने यह निर्णय किया है कि कोई ऋणदात्री संस्था उधारकर्ता फर्मों / कम्पनियों के मालिकों / भागीदारों / गारंटीदाताओं सहित केवल उन्हीं उधारकर्ताओं के चित्र प्रकाशित करने पर विचार कर सकती है जिन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक दिशानिर्देशों में निर्धारित व्यवस्था को अपनाते हुए इरादतन चूककर्ता घोषित किया गया है। यह व्यवस्था उन गैर-पूर्णकालिक निदेशकों पर नहीं लागू होगी जिन्हें जब तक कि उक्त अनुदेशों के अनुसार विशेष स्थितियां न पैदा हों, इरादतन चूककर्ता माने जाने से छूट प्राप्त हो।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देश : धोखाधड़ियों को तत्काल रिपोर्ट करें

भारतीय रिज़र्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (NBFCs) को 1 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ियों की रिपोर्ट उनका पता लगने के तीन सप्ताह के भीतर निर्धारित आरूप में देने का

निदेश दिया है। उसके अतिरिक्त, 1 करोड़ रुपये से अधिक वाली धोखाधड़ियों के मामले में गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों को भारतीय रिज़र्व बैंक के बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग के प्रभारी मुख्य महा प्रबन्धक को पता लगने के एक सप्ताह के भीतर एक अर्ध शासकीय पत्र लिखना होगा।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों से कृषि ऋणों के मामले में प्रलेखन पर पुनर्विचार करने हेतु कहा

2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों से फसल ऋणों के लिए उनके प्रलेखन पर पुनर्विचार करने, जहां आवश्यक हो उन्हें सरल बनाने तथा ऋणों की निर्धारित समय सीमाओं के भीतर तेजी से स्वीकृति एवं संवितरण सुनिश्चित करने के लिए कहा है। अग्रणी बैंक योजना, जिसमें एक विशिष्ट बैंक कृषि और सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए रणनीतियां तैयार करने हेतु केन्द्रीय प्राधिकरण बनता है, को नाबार्ड के साथ घनिष्ठ रूप से मिलकर काम करना चाहिए तथा उनकी बैठकों में किसानों की आय को दुगुनी करने को एक नियमित कार्यसूची बनाना चाहिए।

विनियामकों के कथन

भारतीय बैंकों की आस्ति गुणवत्ता : श्री एन.एस. विश्वनाथन

भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री एन.एस. विश्वनाथन ने कहा है कि अनर्जक आस्तियों के उच्च स्तर बैंकों के अर्जन पर क्रमिक रूप से अधिकाधिक दबाव निर्मित कर रहे हैं। फलत: बैंकों की प्रावधानीकरण क्षमता भी दबावग्रस्त हो गई है।

सूचना प्रौद्योगिकी और बैंकिंग क्षेत्र में साइबर जोखिम

भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री एस.एस. मूंदड़ा के अनुसार ग्राहकों को स्वीकार करते समय बैंकों के लिए यह आवश्यक है कि वे उनका, उनके व्यवसाय तथा उनके खातों में अपेक्षित आवर्त, इस प्रकार के लेनदेन इत्यादि का मूल्यांकन करें। "साइबर जोखिम सहित प्रौद्योगिकी जोखिम को बैंकों के समक्ष उपस्थित होने वाले किसी अन्य अन्तर्निहित जोखिमों की भांति ही माना जाना चाहिए- यथा ऋण, बाज़ार, परिचालन जोखिम। बोर्डों के लिए यह आवश्यक है कि वे यह प्रकट करें कि उनकी जोखिम वहन क्षमता कितनी है, वे किस अवशिष्ट जोखिम को वहन करना पसंद करेंगे तथा वे किस प्रकार की न्यूनीकरण रणनीति अपनाना चाहेंगे।"

वित्तीय मध्यवर्तियों को भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देश : कमजोर वर्गों की ऋण अवशोषण क्षमता बढ़ाएं

भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री एस.एस. मूंदड़ा ने कहा है कि "किसानों की ऋण अवशोषण क्षमता भूमि सुधारों को लागू करके विखंडित भू-जोतों के समेकन के जरिये या फिर भू-जोतों के किसी स्वयं सहायता समूह (SHG) आरूप में समूहन के जरिये बढ़ाई जा सकती है। ऋण अवशोषण क्षमता बढ़ाने के प्रयासों को वित्तीय साक्षरता और व्यवसायिक प्रशिक्षण जैसी पहलकदमियों, फसलों की विफलता के समक्ष व्यापक बीमा सुरक्षा तथा खेती करने के नवोन्मेषी तौर-तरीकों के माध्यम से आवश्यक रूप से अनुपूरित किया जाना चाहिए। उपज की कम कीमतों पर मज़बूरन बिक्री से बचने के लिए किसानों को गोदाम रसीदों के समक्ष वित्तीयन की संकल्पना के सम्बन्ध में सुग्राह्य किया जाना भी आवश्यक है।" उन्होंने यह भी कहा है कि सूक्ष्म एवं लघु कम्पनियां विशिष्ट रूप से अत्यल्प या शून्य ऋण इतिवृत्त वाले और वित्तीय विवरण आदि तैयार करने में अपर्याप्त विशेषज्ञता रखने वाले उद्यम होते हैं। अतएव, उनकी नवोन्मेषी साख अंकीय मॉडलों का उपयोग करते हुए सुसंगत और कम लागत वाले उत्पादों के साथ सेवा किए जाने की भी जरूरत होगी।

जोखिम नियंत्रण : बॉण्ड बाज़ार के लिए एक चुनौती

भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री आर. गांधी ने कहा है "मसाला बॉण्डों वाला भारतीय विचार लोकप्रिय हो रहा है, किन्तु उसे अब भी काफी दूरी तय करनी है।" जहां अधिक रेटिंग प्राप्त कम्पनियों के लिए उधार लागत कम रही है, वहीं जोखिम वाले उधारकर्ता के लिए बॉण्ड बाज़ार मंहगा होता जा रहा है। निवेशकों के परिप्रेक्ष्य से ऋण चूक अदला-बदली (CDS) जैसे ऋण व्युत्पनी (derivative) बाज़ार उपलब्ध होने चाहिए, ताकि निवेशक में जोखिमपूर्ण उधारकर्ताओं का निधीयन करने के लिए विश्वास पैदा किया जा सके। बॉण्ड बाज़ार को अगले स्तर पर पहुंचाने के लिए जोखिम का यथार्थपरक मूल्य-निर्धारण करने हेतु एक सक्रिय ऋण व्युत्पन्नी बाज़ार का होना महत्वपूर्ण है।

श्री मूंदड़ा ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में संभाव्य नेतृत्व निर्वात के संकेत दिए

भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री एस.एस. मूंदड़ा ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में नेतृत्व निर्वात (vacuum) की सन्निकट संभावना और उसके परिणामस्वरूप क्षमता निर्मित करने की आवश्यकता पर बल दिया है, क्योंकि बैंक नेतृत्व रहित नहीं रह सकते। उप महा प्रबंधक / महा प्रबंधक संवर्ग में की आयु वाला है।

अर्थव्यवस्था

2017-18 में अर्थव्यवस्था 7.8% की दर से बढ़ेगी : फिक्की

भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंडल परिसंघ (FICCI) के आर्थिक संभावना सर्वेक्षण के अद्यतन दौर में वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए 7.8% की माध्यिक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि का पूर्वानुमान लगाया गया है। यह सुधार / बढ़ोतरी कृषि और उद्योग क्षेत्र के बेहतर कार्य-निष्पादन की पृष्ठभूमि में परिलक्षित होता है। इस वर्ष बरसात का मौसम अच्छा रहा है जिससे कृषि उत्पादन को समर्थन प्राप्त होने की आशा है।

नयी नियुक्तियां

नाम	पदनाम / संगठन
श्री जयंत कुमार गोखले	निदेशक, सिंडिकेट बैंक
श्री पी.वी. भारती	कार्यपालक निदेशक, केनरा बैंक
श्री सीएच. एस.एस. मल्लिकार्जुन राव	कार्यपालक निदेशक, सिंडिकेट बैंक
श्री अतुल कुमार गोयल	कार्यपालक निदेशक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
श्री के.पी. नायर	उप प्रबन्ध निदेशक, आईडीबीआई बैंक
श्री जी.एम. यादवडकर	उप प्रबन्ध निदेशक, आईडीबीआई बैंक

उत्पाद एवं गठजोड़

संगठन	**जिस संगठन के साथ गठजोड़ हुआ**	**उद्देश्य**
डीसीबी बैंक	एम2पी समाधान एवं जीआई प्रौद्योगिकी	एमवीसा प्रौद्योगिकी कार्यान्वित करने हेतु।
आन्ध्रा बैंक	रिलाएंस जनरल इंश्योरेंस	बीमा उत्पाद वितरित करने के लिए।
कर्नाटक बैंक	बिड़ला सन लाइफ असेट मैनेजमेंट कम्पनी	पारस्परिक निधि उत्पादों के वितरण के लिए।

विदेशी मुद्रा

अक्तूबर, 2016 माह के लिए लागू होने वाली विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाराशियों की न्यूनतम दरें

मुद्रा	1 वर्ष	2 वर्ष	3 वर्ष	4 वर्ष	5 वर्ष
अमरीकी डालर	0.94520	1.00560	1.05700	1.10500	1.15800
जीबीपी	0.33240	0.4440	0.4410	0.4558	0.4851
यूरो	-0.19900	-0.221	-0.200	-0.194	-0.150
जापानी येन	-0.02750	-0.081	-0.105	-0.104	-0.091
कनाडाई डालर	1.12000	0.859	0.876	0.898	0.922
आस्ट्रेलियाई डालर	1.72000	1.660	1.670	1.880	1.910
स्विस फ्रैंक	-0.67000	-0.704	-0.683	-0.654	-0.603
डैनिश क्रोन	-0.00810	-0.0038	0.0201	0.0595	0.1205
न्यूजीलैंड डालर	2.10280	2.035	2. 050	2.095	2.158
स्वीडिश क्रोन	-0.49500	-0.422	-0.323	-0.207	-0.072
सिंगापुर डालर	1.23000	1.408	1.543	1.645	1.715
हांगकांग डालर	0.81000	0.940	1.030	1.120	1.190
म्यामार	3.34000	3.340	3.380	3.440	3.480

विदेशी मुद्रा की प्रारक्षित निधियां

मद	**26 अगस्त, 2016 के दिन**	**26 अगस्त, 2016 के दिन**
	बिलियन् रुपये	मिलियन अमरीकी डालर
	1	2
1.1 कुल प्रारक्षित निधियां	24, 611,0	370, 766.4
1.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	22, 902.7	3,45 ,242.3
1.3 सोना	1, 449.7	21, 642.7
1.4 विशेष आहरण अधिकार	99.3	1, 490.6
1.5 अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में प्रारक्षित निधि की स्थिति	159.3	2, 390.8

शब्दावली

सॉवरेन स्वर्ण बॉण्ड

सॉवरेन स्वर्ण बॉण्ड सोने के ग्रामों में मूल्यवर्गित सरकारी प्रतिभूतियां होती हैं। वे भौतिक सोना रखने के स्थानापन्नी होते हैं। निवेशकों को निर्गम मूल्य नकद चुकाना होता है तथा ये बॉण्ड परिपक्वता पर नकद

मोचित किए जाएंगे। यह बॉण्ड भारत सरकार की ओर से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।

वित्तीय क्षेत्र की बुनियादी जानकारी

संदिग्ध आस्ति

आस्ति के 12 माह की अवधि तक अवमानक श्रेणी में बने रहने पर उसे संदिग्ध आस्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

संस्थान की प्रशिक्षण गतिविधियां

नवम्बर, 2016 माह के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथिं	स्थल
1	ऋण निगरानी पर कार्यक्रम	3-11-16- 5-11-16	मुंबई
2	बैंक कार्यपालक कार्यक्रम	7-11-16 -13-11-16	मुंबई
3	प्रमाणित ऋण अधिकारियों का परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	9-11-16-13-11-16	चेन्नै
4	प्रमाणित खज़ाना व्यापारी - परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	11-11-16 - 13-11-16	मुंबई
5	डिजिटल बैंकिंग पर कार्यक्रम	17-11-16-19-11-16	मुंबई
6	परियोजना वित्त में प्रमाणन हेतु कार्यक्रम	21-11-16- 26-11-16	मुंबई
7	वसूली प्रबन्धन	28-11-16 - 30-11-16	मुंबई
8	प्रमाणित ऋण अधिकारियों का परीक्षोपरांत कक्षा में शिक्षण	21-11-16-25-11-16	नई दिल्ली

संस्थान समाचार

परियोजना वित्त में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

संस्थान 21 नवम्बर से 26 नवम्बर, 2016 तक परियोजना वित्त में अपने 25वें बैच की शुरूआत कर रहा है। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25 अक्तूबर, 2016 है। इसके विवरण हमारी वेबसाइट और फेसबुक पृष्ठ पर उपलब्ध हैं। उक्त पाठ्यक्रम का ध्येय है :

- बैंकों / वित्तीय संस्थाओं / गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों में कार्यरत ऐसे बैंकिंग एवं वित्त व्यावसायिकों, अधिकारियों, जो बड़ी और मझोली परियोजनाओं, औद्योगिक और मूलभूत सुविधा क्षेत्र, दोनों के मूल्यांकन में संलग्न हैं, को सक्षम बनाना।

- बैंकरों को परियोजना मूल्यांकन, वित्तीयन आदि के क्षेत्र में उन्नत कौशलों से लैस करना।

- अभ्यर्थियों को सुनियोजित वित्तीयन पर विशिष्ट बल के साथ परियोजनाओं का वित्तीयन करने में उठने वाले मूलभूत मुद्दों और उसके साथ ही जोखिम विश्लेषण और जोखिम न्यूनीकरण की कार्यप्रणालियों से परिचित कराना।

उन्नत प्रबन्धन कार्यक्रम - आईआईएम (कलकत्ता) द्वारा प्रबन्धन विकास कार्यक्रम

संस्थान बैंकिंग / वित्तीय क्षेत्र में कार्यरत कार्यपालकों के लिए बैंकिंग एवं वित्त में एक 8 माह का उन्नत प्रबन्धन कार्यक्रम संचालित करता है। इस वर्ष के उन्नत प्रबन्धन कार्यक्रम में इंडियन इस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता द्वारा उनके कैम्पस में संचालित एक पांच दिवसीय (30 घंटों वाले) प्रबन्धन विकास कार्यक्रम का भी समावेश था।

प्रबन्धन विकास कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता में 16 सितम्बर से 20 सितम्बर, 2016 तक किया गया था और उन्नत प्रबन्धन कार्यक्रम के सभी सहभागियों ने उसमे सफलतापूर्वक भाग लिया। प्रबन्धन विकास कार्यक्रम में शामिल विषय निम्नानुसार थे :

- प्रबन्धन के सिद्धांत एवं व्यवहार
- स्थूल अर्थशास्त्र
- संगठनात्मक विकास और संगठनात्मक व्यवहार
- रणनीति और परिवर्तन प्रबन्धन, तथा
- बैंकों में एकीकृत विपणन प्रबन्धन

धन शोधन निवारण और लेनदेन की निगरानी पर कार्यशाला

संस्थान ने बैंक ऑफ बड़ौदा के बड़ौदा स्थित पंजीकृत कार्यालय में लेनदेन की निगरानी इकाई में

कार्यरत अधिकारियों के लिए धन शोधन निवारण और लेनदेन की निगरानी पर एक दिवसीय प्रत्येक की दो कार्यशालाओं का आयोजन किया। ये कार्यशालाएं 28 और 29 सितम्बर, 2016 को आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम में कुल 60 अधिकारियों ने भाग लिया।

चेन्नै, बेंगलूर, मंगलूर और हैदराबाद में सीएआईआईबी के लिए संपर्क कक्षाएं

चेन्नै स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस चेन्नै, बेंगलूर, मंगलूर और हैदराबाद में सीएआईआईबी के लिए संपर्क कक्षाओं का संचालन करेगा। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.org..in देखें।

नई दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, जबलपुर, भोपाल, नवी मुंबई और नागपुर में जेएआईआईबी के लिए संपर्क कक्षाएं

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैंस, मुंबई जेएआईआईबी / डीबीएण्डएफ के लिए नई दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, जबलपुर, भोपाल, नवी मुंबई और नागपुर में संपर्क कक्षाओं का संचालन करेगा। पंजीकरण पहले आए, पहले पाए आधार पर किया जाएगा। उक्त कक्षा केवल न्यूनतम 20 अभ्यर्थियों के नामांकन पर ही संचालित की जाएगी और अधिकतम सीमा 35 अभ्यर्थियों की होगी। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.org..in देखें।

जेएआईआईबी / डीबीएण्डएफ और सीएआईआईबी नवम्बर / दिसम्बर 2016 के लिए 90 घण्टों वाली तैयारी की कक्षाएं - उत्तरी अंचल, पूर्वी अंचल एवं दक्षिणी अंचल के व्यावसायिक विकास केन्द्र

उत्तरी अंचल, पूर्वी अंचल और दक्षिणी अंचल के व्यावसायिक विकास केन्द्र जेएआईआईबी / डीबीएण्डएफ और सीएआईआईबी नवम्बर / दिसम्बर 2016 की परीक्षाओं के लिए 90 घण्टों वाली तैयारी की कक्षाओं का संचालन करेंगे। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.org.in देखें।

बैंक क्वेस्ट और आईआईबीएफ विज़न के लिए अभिदानों का ऑनलाइन मोड में स्वीकार किया जाना

संस्थान ने 1 जुलाई, 2016 से बैंक क्वेस्ट और आईआईबीएफ विज़न के लिए अभिदान को एसबीआई कलेक्ट के माध्यम से ऑनलाइन मोड में संग्रहीत करने और मांग ड्राफ्ट के माध्यम से अभिदान स्वीकार करने की प्रथा बंद करने का निर्णय लिया है। यह अभिदान केवल एक वर्ष के लिए स्वीकार किया जाएगा। अन्य पक्ष द्वारा भुगतान नहीं स्वीकार किया जाएगा। घरेलू अभिदाताओं / संगठनों से अनुरोध है कि वे अभिदान का भुगतान ऑनलाइन मोड के माध्यम से सीधे

ही करें। विदेशी अभिदाताओं के मामले में अभिदान हेतु आवेदन के मोड में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। विदेशी अभिदाता आवेदन पत्र हेतु publications@iibf.org.in. पर प्रकाशन विभाग को लिख सकते हैं। घरेलू अभिदाता / संगठन ऑनलाइन मोड में अभिदान के भुगतान के लिए कृपया आईआईबीएफ की वेबसाइट www.iibf.org.in. पर Online Registration / Services पृष्ठ देखें।

सेवा कर की नई दर

वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग ने 1 जून, 2016 से किसी भी या सभी करयोग्-य सेवाओं पर 0.5% कृषि कल्याण उपकर की वसूली किए जाने की सूचना दी है। सेवा कर की प्रभावी दर 14% +0.5% (स्वच्छ भारत उप कर) + 0.5% (कृषि कल्याण उप कर) = 15.00%। तदनुसार संस्थान ने सभी शुल्कों में इस परिवर्तन को शामिल कर लिया है।

आगामी अंकों के लिए बैंक क्वेस्ट की विषय-वस्तुएं

बैंक क्वेस्ट के आगामी अंकों की विषय-वस्तुएं इसप्रकार निर्धारित की गई हैं :

- अक्तूबर - दिसम्बर, 2016 : डिजिटल बैंकिंग
- जनवरी - मार्च, 2017 : व्यवसाय विश्लेषण
- अप्रैल - जून, 2017 : मूलभूत सुविधा वित्तीयन में चुनौतियां

अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा

संस्थान अप्रैल, 2016 के बाद से अपने ग्राहक को जानिए / धन-शोधन निवारण और ग्राहक सेवा परीक्षा का आयोजन तिमाही आधार पर करेगा। अधिक जानकारी के लिए www.iibf.orgin देखें।

परीक्षा के लिए दिशानिर्देशों / महत्वपूर्ण घटनाओं की निर्धारित तिथि

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के मई / जून माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष के 31 दिसम्बर तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

संस्थान द्वारा किसी कैलेंडर वर्ष के नवम्बर / दिसम्बर माह के दौरान आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के सम्बन्ध में प्रश्नपत्र में समावेश के लिए विनियामक द्वारा जारी अनुदेशों / दिशानिर्देशों और बैंकिंग एव वित्त के क्षेत्र में केवल पिछले वर्ष के 30 जून तक की महत्वपूर्ण घटनाओं पर ही विचार किया जाएगा।

नयी पहलकदमी

वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये भेजने के लिए सदस्यों से अनुरोध है कि वे संस्थान के पास अपने ई-मेल पते अद्यतन करवा लें तथा वार्षिक रिपोर्ट ई-मेल के जरिये प्राप्त करने हेतु अपनी सहमति भेज दें।

---

* भारत के समाचार पत्र पंजीकार (रजिस्ट्रार) के पास आरएनआई संख्या : 69228 /1998 के अधीन पंजीकृत

बाज़ार की खबरें
भारित औसत मांग दरें

6.5
6.45
6.4
6.35
6.3
6.25
6.2

अप्रैल, 2016, मई, 2016, जून, 2016, जुलाई, 2016, अगस्त,2016, सितम्बर, 2016

स्त्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड न्यूज़लेटर, 2016

भारतीय रिज़र्व बैंक की संदर्भ दरें

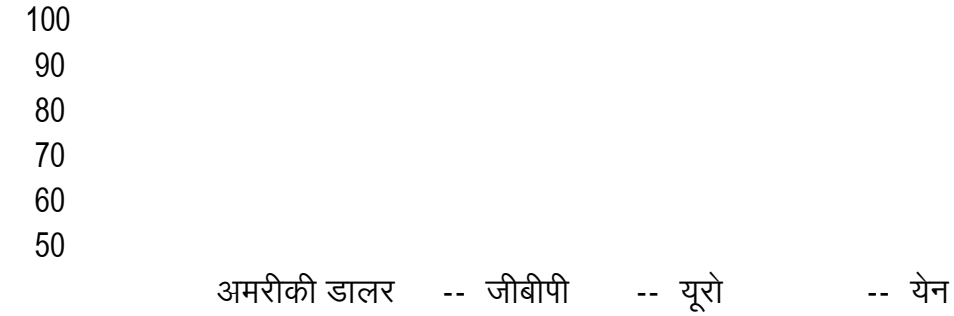

स्त्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक (**RBI**),

खाद्येतर ऋण वृद्धि %

स्त्रोत : भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, सितम्बर, 2016

बम्बई शेयर बाज़ार सूचकांक

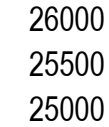

अप्रैल, 2016, मई, 2016, जून, 2016, जुलाई, 2016, अगस्त, 2016, सितम्बर, 2016

स्रोत : बम्बई शेयर बाज़ार (BSE)

समग्र जमा वृद्धि %

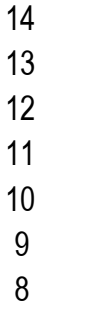

मार्च, 2016, अप्रैल, 2016, मई, 2016, जून, 2016, अगस्त, 2016, सितम्बर, 2016

स्रोत: भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड, मंथली इकॉनॉमिक रिव्यू, सितम्बर, 2016

डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा मुद्रित, डॉ. जे. एन. मिश्र द्वारा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स की ओ
प्रकाशित तथा ऑनलुकर प्रेस, 16 सासून डॉक, कोलाबा, मुंबई - 400 018 में मुद्रित एवं इंडियन इंस्टिट्यूट अ
एण्ड फाइनैन्स, कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II,, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड,कुर्ला (पश्चिम), मुंबई -400
प्रकाशित।

संपादक : डॉ. जे. एन. मिश्र

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनैन्स
कोहिनूर सिटी, कॉमर्शियल- II, टॉवर -1, 2री मंजिल, किरोल रोड, कुर्ला (पश्चिम)
मुंबई - 400 070
टेलीफोन : 91-22 2503 9604 / 9607 फैक्स : 91-22-2503 7332
तार : INSTIEXAM ई-मेल : iibgen@bom5 vsnl.net.in.
वेबसाइट : www.iibf.org.in.